Nai Dunia (Indore), 20th December 2021, Page-3

आइआइएम और आइआइटी इंदौर ने मिलकर शुरू किया डाटा विज्ञान और प्रबंधन पाठ्यक्रम

अवसर : प्रवेश के लिए 7 जनवरी तक कर सकते हैं आवेदन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कंपनियों की मांग को देखते हुए भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने मिलकर दो वर्षीय मास्टर आफ साइंस इन डाटा साइंस एंड मैनेजमेंट पाठ्यक्रम की शुरुआत की है। इसके लिए 7 जनवरी 2022 तक आवेदन किया जा सकता है। बीई, बीटेक, बीएस, बीफार्मा, बीआर्क, बीडेस, चार वर्षीय बीएससी, एमएससी, एमसीए, एमबीए और इनके समकक्ष पाठ्यक्रम में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभागी पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसका उद्देश्य डाटा वैज्ञानिकों (जैसे बड़ी डाटा प्रौद्योगिकी और समाधान, डाटा प्रबंधन कौशल, परियोजना प्रबंधन, जीवनचक्र, डाटा विश्लेषण) के लिए कौशल विकसित करना है।

आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय का कहना है कि कार्यक्रम को आनलाइन माध्यम से संचालित किया जाएगा। देशभर से काफी संख्या में प्रतिभागी पाठ्यक्रम करने के लिए पूछताछ कर रहे हैं और कई आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस तरह के पाठ्यक्रम करने के बाद कौशल काफी बेहतर हो सकेगा और उद्योगों की मांग के अनुसार काम करने की क्षमता बन सकेगी। पाठ्यक्रम डिजाइन करने के पहले कई कंपनियों के अधिकारियों से बात की गई थी। पाठ्यक्रम करने वालों को आइआइएम इंदौर और आइआइटी इंदौर के प्राध्यापक पढ़ाएंगे। यह मास्टर डिग्री कार्यक्रम है और हर सप्ताह 14 से 15 घंटे की आनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। कुल 900 घंटे की कक्षाएं संचालित की जाएंगी। पाठ्यक्रम के तहत 30 दिन आन कैंपस शिक्षा भी दी जाएगी।

इसलिए बढ़ रही डाटा साइंस में मांग

जानकारों का मानना है कि इस समय डाटा साइंस बेहतरीन क्षेत्र है। डाटा साइंस में केवल भारत में ही करीब एक लाख नौकरियों के अवसर हैं। अच्छे पैकेज भी उपलब्ध हैं। डाटा विज्ञानी, डाटा इंजीनियर, सांख्यिकीविद् और कई अन्य इस क्षेत्र से जुड़े हैं। डाटा विज्ञानी के रूप में अव्यवस्थित और व्यवस्थित डाटा के साथ काम करना होता है। इस डाटा को आसान और समझने योग्य बनाना होता है। डाटा इंजीनियर का काम अलग-अलग जरियों से डाटा एकत्रित कर उसे फिल्टर करना है। फिर डाटा को ऐसे रूप में बदलना होता है जिससे डाटा विज्ञानी आसानी से समझ सके और उसका सही उपयोग कर सके। बिना डाटा इंजीनियर के डाटा विज्ञानी काम नहीं कर सकते। दोनों एक-दूसरे के पर्याय हैं। सांख्यिकीविद् का काम सांख्यिकी का उपयोग कर डाटा जुटाना और उसका विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार करनी होती है। इसमें कई प्रकार की सांख्यिकी से जुड़ी विधि व उपकरण का उपयोग किया जाता है। डाटा विज्ञान में कई काम किए जाते हैं।